कंदुकुरी वीरेसलिंगम

16 अप्रैल को प्रमुख सुधारक कंदुकुरी वीरेसलिंगम की जयंती मनाई गई।

- **कंदुकुरी वीरेसलिंगम (16 अप्रैल, 1848 - 27 मई, 1919) :**
  - वह ब्रिटिश भारत के **मद्रास प्रेसीडेंसी** में एक **समाज सुधारक और लेखक** थे। वे **ब्रह्म समाज** के आदर्शों से प्रभावित थे।
  - उन्हें **तेलुगू पुनर्जागरण आंदोलन का जनक** माना जाता है।
  - वह प्रारंभिक **समाज सुधारकों में से एक** थे जिन्होंने महिलाओं की शिक्षा और **विधवाओं को पुनर्विवाह** के लिये प्रोत्साहित किया (जिसका तत्कालीन समाज में समर्थन नहीं किया जाता था)।
  - उन्होंने **बाल विवाह और दहेज प्रथा के खिलाफ भी लड़ाई लड़ी**।
  - उन्होंने **1874 में दोलाईस्वरम में एक स्कूल** शुरू किया।
  - उन्होंने 1887 में **'ब्रह्म मंदिर'** का निर्माण कराया और 1908 में **आंध्र प्रदेश** में **'हितकारिणी स्कूल'** का निर्माण कराया।
  - उनका उपन्यास राजशेखर चरित्रमु **तेलुगू साहित्य का पहला उपन्यास** माना जाता है।

//

और पढ़ें: [सामाजकि-धार्मकि सुधार आंदोलन: भाग I], [सामाजकि-धार्मकि सुधार आंदोलन: भाग II]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/kandukuri-veeresalingam